शुक्रवार
10 जून 2022

पृष्ठ 4

कहीं पपीते का सेवन ना बिगाड़ दे आपकी सेहत, जानें अती के दुष्परिणाम

पृष्ठ 5

इब्राहिम अली खान को लॉन्च करेंगे करण जौहर ?

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 128
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

खातिरदारी जैसी चीज में मिठास जरूर है, पर उसका ढकोसला करने में न तो मिठास है और न स्वाद।

– शरतचंद्र

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जुमे की नमाज के बाद देशभर में बवाल

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/लखनऊ। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश की राजधानी सहित 13 शहरों में आज जुमे की नमाज के बाद नमाजियों ने भारी बवाल किया। वहीं पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से लेकर कर्नाटक तक एक सुनियोजित बवाल किया गया। कई स्थानों पर बवालियों से निपटने के लिए पुलिस को बल प्रयोग भी करना पड़ा।

देश की राजधानी दिल्ली के जामा मस्जिद में आज जुमे की नमाज के बाद नमाजियों ने विवादित बयानों को लेकर नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में जमा हुए प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने समझाने की कोशिश की। जामा मस्जिद के शाही इमाम का कहना है कि इस बवाल के पीछे ओवैसी के लोग हो सकते है। वही उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की टीले वाली मस्जिद में भी नमाज के बाद नमाजियों ने हंगामा किया। देवबंद और सहारनपुर में नमाजियों ने भारी बवाल किया मार्च निकाला और नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारियों पर हल्का बल प्रयोग भी किया गया। फिरोजाबाद में नमाजियों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। मुरादाबाद और काशी से भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन की खबरें हैं।

यही नहीं देश के कई अन्य शहरों से भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन की खबरें आई है। जम्मू कश्मीर में भी नमाजियों

❑बवाल में शामिल हो सकते हैं ओवैसी के लोगः शाही इमाम
❑कानून व्यवस्था खराब करने का बड़ा षड्यंत्र
❑पुलिस प्रशासन की चुस्ती से मामले को संभाला गया
❑नुपूर व नवीन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

द्वारा पत्थरबाजी की गई वही कोलकाता में जमकर बवाल मचाया गया। उधर कर्नाटक में हंगामे की खबरें हैं यहां

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

विकास के लिये समन्वित प्रयास की जरूरतः सीएम

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य में की जा रही बेस्ट प्रेक्टिसेज को दस्तावेज के रूप में संकलित कर राज्य स्थापना दिवस पर जारी किया जाएगा। इन बेस्ट प्रेक्टिसेज को राज्य सरकार के स्तर पर भी क्रियान्वित किया जाएगा। आज एक स्थानीय होटल में आयेजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 27 व्यक्तियों और संस्थाओं को सतत विकास लक्ष्य के तहत विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और सराहनीय काम करने के लिये एसडीजी गोलकीपर अवार्ड से सम्मनित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विकास के लक्ष्य

●सीएम धामी ने 27 व्यक्तियों व संस्थाओं को किया एसडीजी गोलकीपर अवार्ड से सम्मानित

को हासिल करने के लिये सभी को सम्मिलित रूप से प्रयास करने होंगे। आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड को साकार करने के लिये जनसहयोग आवश्यक है। बहुत सी संस्थाएं और व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर काम कर रहे हैं। ये सभी राज्य के विकास के ब्राण्ड एम्बेसेडर हैं। उत्तराखण्ड को श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिये हम सभी को मिलकर आगे बढ़ना है। कहा कि उत्तराखण्ड में इकोलॉजी

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

राजस्थान के गैंगस्टर ने पहुंचाया था सलमान खान के पिता को धमकी भरा लेटर!

मुम्बई। सलमान खान को धमकी भरे पत्र को लेकर अब तक कई नाम सामने आए है, लेकिन अब इस मामले में बड़ा खुलासा हो चुका है। यह साफ हो चुका है कि सलमान खान को धमकी भरा लेटर भिजवाने वाला गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई

ही है और उसकी तरफ से यह लेटर राजस्थान के गैंगस्टर विक्रम बराड़ द्वारा सलमान खान के पिता को पहुंचाया गया था। सूत्रों के अनुसार सलमान खान को धमकी भरा लैटर भिजवाने वाले शख्स की पहचान पुलिस ने कर ली है। ये लेटर किसी और ने नहीं बल्कि लॉरेन्स बिश्नोई के खास विक्रम बराड़ ने सलमान खान के पिता के पास पहुंचाया था। इस मामले में तीन आरोपी जालोर से मुंबई पहुंचे थे। यह तीनों कल्याण पहुंचकर सौरभ महाकाल उर्फ सिधेश हिरामल से मिले थे। लेकिन सलमान के लिए धमकी वाला पत्र महाकाल ने रखने से मना कर दिया था। जिसके बाद इस काम को अलग तरीके से अंजाम दिया गया। इस बात का खुलासा महाकाल से पूछताछ के बाद हुआ है। बताया जा रहा है कि विक्रम बराड़ राजस्थान का गैंगस्टर है जिसके ऊपर दो दर्जन से ज्यादा केस दर्ज हैं और वह राजस्थान के हनुमानगढ़ का रहने वाला है। लेकिन फिलहाल वो देश से बाहर बताया जा रहा है।

24 घंटे में आए कोरोना के 7584 नए केस, 24 मरीजों की मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ते नजर आ रहे हैं जो कि काफी चिंताजनक है। कल के आंकड़ों के मुताबिक आज ३४४ केस ज्यादा दर्ज किए गए हैं। बता दें कि, गुरुवार को ७,२४० मामले सामने आए थे। वहीं देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर ३६ हजार २६७ रह गई है। देश में पिछले २४ घंटे में ७ हजार ५८४ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की सख्या ४,३२,०५,१०६ हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के ७,५८४ नए मामले सामने

आए हैं। वहीं, २४ और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२४,७४७ हो गई है। इसके अलावा देश में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ३६,२६७ हो गई है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या में ३,७६६ की वृद्धि हुई है और यह संक्रमण के कुल मामलों का ०.०८ प्रतिशत है जबकि कोविड–१६ से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर ६८.७० प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण की दैनिक दर २.२६ प्रतिशत और साप्ताहिक दर १.५० प्रतिशत है। देश में पिछले २४ घंटे में ३,७६१ लोग महामारी से ठीक हो चुकें हैं और अब तक कुल ४,२६,४४,०६२ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं,।

राज्यों में नए मामलों में से अकेले मुंबई में १,७०२ से आए हैं और राज्य में दर्ज एकमात्र मौत भी महानगर में ही हुई है। १५ फरवरी को आए २,८३१ मामलों के बाद एक दिन में महाराष्ट्र में सबसे अधिक संक्रमितों की संख्या गुरुवार को दर्ज की गई थी। बुधवार को महाराष्ट्र में कोरोना वायरस से संक्रमण के २,७०१ नए मामले आए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

सद्भाव के लिए हदें जरूरी

आज अगर उत्तर प्रदेश में जुमे की नमाज पुलिस के कड़े पहरे में हुई तो यह बेवजह नहीं है। लंबे समय से न सिर्फ उत्तर प्रदेश में अपितु पूरे देश में जिस तरह के सांप्रदायिक तनाव की स्थितियां बनी हुई है वह किसी से भी छिपा नहीं है। कानपुर में हुआ दंगा इसकी ही परिणीति है। अभी हाल में ज्ञानवापी से लेकर लखनऊ की वीला वाली मस्जिद तथा ताजमहल से लेकर कुतुबमीनार तक को लेकर जो कुछ हुआ है और उसे लेकर नेताओं तथा मीडिया चैनलों पर जिस तरह की जिरह होती रही है उससे सांप्रदायिक उन्माद में जो उफान आया है वह किसी से छिपा नहीं है। भाजपा प्रवक्ता और प्रतिनिधियों से लेकर ओवैसी तक तमाम लोगों के खिलाफ देश के कोने-कोने में मुकदमे दर्ज हो रहे हैं। भड़काऊ बयानों की इन दिनों बाढ़ आई हुई है। हिंदू और मुस्लिम पक्षकार एक दूसरे के खिलाफ जिस तरह का जहर उगल रहे हैं उससे नफरत की आग भड़कती जा रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पहले 5 साल के कार्यकाल के बारे में यह दावा करते नजर आते थे कि राज्य में कहीं भी एक भी सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ लेकिन अब स्थितियां तेजी से बदल रही हैं स्थितियां बिल्कुल अलग है। कानपुर में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति के दौरे के समय जिस तरह की हिंसा फैलाने की कोशिशें हुई उसके पीछे बहुत कुछ ऐसा छुपा है जो गंभीर है। बात अगर उत्तराखंड की ही की जाए तो यहां भी एक समुदाय विशेष के लोगों की आबादी के अप्रत्याशित रूप से बढ़ने की बात कही जा रही है कौन है वह लोग कहां से आए उनका इतिहास भूगोल क्या है। वह यहां अवैध रूप से कैसे बस गए इसे लेकर अब धामी सरकार द्वारा सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है आपने लव जिहाद की बात भले ही बहुत पहले सुनी हो लेकिन अब जमीन जिहाद का नाम भी इसमें जुड़ गया है। अवैध रूप से जमीनों पर काबिज इन लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी हो रही है। भले ही देश के कुछ मुसलमानों को इस बात की शिकायत हो कि शासन-प्रशासन उनके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई कर रहा है। लेकिन यह सच नहीं है कार्रवाई सिर्फ वहीं हो रही है जहां कुछ न कुछ गलत हो रहा है। अभी धार्मिक स्थलों से अगर लाउडस्पीकर हटाए गए तो वह सिर्फ मस्जिदों या दरगाह से ही नहीं हटाए गए। मठों और मंदिरों से भी हटाए गए। कानपुर में पत्थर अगर मुसलमानों ने बरसाए तो क्या पुलिस इस जुर्म में हिंदुओं को गिरफ्तार करती? नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद बनी है और पूजा के लिए मंदिर। अगर मुसलमान सड़कों व पार्कों में नमाज पढ़ेंगे तो क्या यह उचित होगा या हिंदू कहीं भी सड़क पर बैठ कर पूजा करने लगे तो उन्हें इसकी इजाजत दी जा सकती है? धर्म व समाज तथा समुदाय सभी की अपनी हदें हैं और सभी हदों में रहे सभी की भलाई भी इसी में है।

मकान का ताला तोड लाखो रुपये के जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने बंद मकान का ताला तोडकर वहां से लाखों के जेवरात व नकदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेसकोर्स निवासी राजेश्वरी बिष्ट ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह दिन में 12 बजे बाजार गयी थी जब वह लगभग दो बजे वापस आयी तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके घर से गले का सेट सोने का, दो जोडी अंगूठी सोने की, दो चौन सोने की, कान के एक जोडे झूमके, 85 हजार रूपये नगद चोरी करके ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस 13 जून को देशभर में ईडी कार्यालयों पर करेगी प्रदर्शनः धीरेंद्र

देहरादून (नसं)। केन्द्र की मोदी सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए विपक्षी दल के नेताओं के खिलाफ राजनैतिक षडयंत्र के तहत फर्जी मुकदमें दर्ज कर केन्द्र सरकार के अधीनस्थ ऐजेंसियों के माध्यम से लगातार उनका उत्पीड़न कर रही है। जिसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने यह बात मीडिया को जारी एक बयान के माध्यम से कही गयी। उन्होने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा ईडी के माध्यम से की जा रही उत्पीड़नात्मक कार्रवाई के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने दिनांक 13 जून, 2022 को पूरे देश में ईडी कार्यालयों के सम्मुख धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। उन्होने कहा कि केन्द्र सरकार की इसी उत्पीडनात्मक कार्रवाई के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिनांक 13 जून, 2022 को प्रातः 11 बजे से देहरादून में क्रास रोड़ स्थित ईडी कार्यालय के सम्मुख विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया है। जिसका नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा करेंगे। जिसमें राज्य कांग्रेस के तमाम प्रमुख नेता, पार्टी विधायक एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में भाग लेगे।

अब सीएम आवास व सचिवालय में मिट्टी के गिलासों में मिलेगी चाय

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुम्हार हस्तकला को राज्य में बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री आवास एवं सचिवालय में मिट्टी से बने गिलासों में चाय देने की शुरूआत की जाए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में 'कुम्हारी कला' को पुनर्जीवित करने को लेकर बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश में कुम्हारी कला को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि कुम्हारी कला समृद्ध एवं प्राचीन हस्तकला है। उतराखण्ड में अनेक परिवार इस कला से जुड़े हैं। भारत सरकार की 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' का उद्देश्य कुम्हारी कला को पुनर्जीवित करना एवं समाज के सबसे कमजोर वर्गों में से एक कुम्हार समुदाय को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त कर विकास की मुख्यधारा में वापस लाना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कुम्हारों को उन्नत किस्म के मिटटी के उपकरण बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में मिट्टी उपलब्ध हो, इसके लिए ऐसी मिट्टी वाली भूमि का चिन्हीकरण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुम्हार हस्तकला को राज्य में बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री आवास एवं सचिवालय में मिट्टी से बने गिलासों में चाय देने की शुरूआत की जाए। इसे व्यापक स्तर पर प्रदेश भर में बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री एवं अधिकारियों ने सचिवालय में मिट्टी के गिलासों में चाय पीकर इसकी शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि तीन माह में कुम्हारी कला की अगली बैठक आयोजित की जायेगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव बीवीआरसी पुरूषोत्तम, डा. पंकज कुमार पाण्डेय, महानिदेशक उद्योग रणवीर सिंह चौहान, अपर सचिव आनन्द श्रीवास्तव, निदेशक उद्योग सुधीर चन्द्र नौटियाल, माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति उपस्थित थे।

जमीन की धेखाधडी में दो साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। जमीन के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधडी करने के मामले में दो साल से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चांद कालोनी थाना कुतुबशेर सहारनपुर नि वासी मौहम्मद नदीम ने प्रेमनगर थाने में 2020 को छह लोगों के खिलाफ जमीन के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधडी का मुकदमा दर्ज कराया था। जांच में आया कि आरोपियों ने भूस्वामी विजय लूथरा की जगह रामदास को खडा कर जमीन की रजिस्ट्री कराकर दस लाख रूपये ठग लिये थे। पुलिस ने इस मामले में छह लोगो को जेल भेज दिया था लेकिन २ वर्षो से फरार चल रहा था। जिसको सर्विलांस की मदद से राजस्थान के चूरू से गत दिवस जुनैब उर्फ पप्पू पुत्र तैयब निवासी अरबी मदरसा, थाना मंडी सहारनपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

उत द्वार उशतीर्वि श्रयन्तामुत देवाँ उशत आ वहेह।

(ऋग्वेद ७-१७-२)

हमारी इंद्रियों के द्वार दिव्य गुणों को प्राप्त करने के लिए खुल जाएं। हमारे अंदर प्रेम और आनंद का संचार हो। हमें देववृति के विद्वानों का संग प्राप्त हो।

Let the doors of our senses be opened to receive the divine qualities. May love and joy flow within us. May we have the company of the scholars of divinity. (Rig Veda 7-17-2)

चम्बा आईटीआई के दीक्षान्त समारोह में प्रतिभाग करते टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय।

विकास के लिये समन्वित प्रयास की....

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

और इकोनोमी में संतुलन बनाते हुए काम करना है। पर्यावरण और विकास दोनों ही जरूरी हैं। पिछले वर्षों में राज्य में सतत विकास लक्ष्य में बेहतर काम किया गया है। एसडीजी इंडेक्स रैंकिंग में उत्तराखण्ड दसवें से चौथे स्थान पर आ गया है।

मुख्यमंत्री ने सम्मानित होने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि इससे अन्य लोग और संस्थाएं भी प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि वे स्वयं समाज और देश के लिये काम करने वाले व्यक्तियों से मिलकर प्रेरित होते हैं। इससे ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। मुख्यमंत्री ने सूखते जलस्रोतों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जलस्रोतों के रिचार्ज पर चल रहे काम को तेजी से आगे बढ़ाना है। इसी तरह से उत्तराखण्ड की कला को भी प्रचारित किये जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे स्वयं विशिष्ट व्यक्तियों को ऐंपण कलाकृति भेंट करते हैं। सीपीपीजीजी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. मनोज कुमार पंत ने बताया कि सतत विकास लक्ष्य के तहत विभिन्न क्षेत्रो में नवाचार और सराहनीय काम करने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों को एसडीजी गोलकीपर अवार्ड देने के लिये पूर्व मुख्य सचिव एन रविशंकर की अध्यक्षता में ज्यूरी का गठन किया गया था। कुल 176 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनके काम का भौमिक सत्यापन करते हुए ज्यूरी द्वारा 27 व्यक्तियों और संस्थाओं का एसडीजी गोलकीपर अवार्ड के लिये चयन किया गया था। कार्यक्रम में सचिव नियोजन रणजीत सिन्हा, यूएनडीपी के नीति विशेषज्ञ जयमॉन उत्थुप सहित नियोजन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जुमे की नमाज के बाद देशभर में..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

अराजक तत्वों ने नूपुर के पुतले को उल्टा करके बाजार में लटका दिया गया। प्रदर्शनकारी नूपुर को फांसी देने की मांग कर रहे थे। देशभर में जुमे की नमाज के बाद शहर शहर हुए इस हंगामे और बवाल से यह साफ हो गया है कि यह एक सुनियोजित षड्यंत्र था। बवालियों का उद्देश्य कानून व्यवस्था खराब करने की कोशिश है। इसके साथ ही यह खुफिया एजेंसियों को इतनी बड़ी साजिश की भनक तक नहीं लग सकी हालांकि कानपुर हिंसा के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने आज राज्य भर को जुमे की नमाज के मद्देनजर हाई अलर्ट पर रखा गया था।

निर्जला एकादशी पर जगह-जगह छबील लगाकर शरबत बांटा

संवाददाता

देहरादून। निर्जला एकादशी के अवसर पर बार एसोसिएशन के पदार्धि कारियों व हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने छबील लगाकर लोगों शरबत वितरित किया।

आज यहां निर्जला एकादशी के शुभ अवसर बार एसोसिएशन देहरादून के अध्यक्ष मनमोहन कण्डवाल के नेतृत्व में बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों व अधिवक्ताओ ने बार भवन के बाहर छबील लगाकर शरबत विकरित किया। इस अवसर पर हिन्दु युवा वाहिनी द्वारा दर्शन लाल चौक के समस्त व्यापारियों के सहयोग से दर्शन लाल चौक पर चलते हजारो रहा गीरो को छबील शरबत का प्रसाद वितरित किया गया।

हिन्दु युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द वाधवा द्वारा बताया गया कि निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी भव्य स्तर पर छबील का प्रसाद वितरित किया जा रहा है सदीयो से हमारे पूर्वज निर्जला एकादशी के आज ही के दिन सनातन धर्म की परम्परा निभाते हुये भूखे को अन्न प्यासे को पानी पीला रहे है इसी परम्परा को निभाते हुये पूरे भारत वर्ष मे सनातन धर्म को मानने वाले आज जगह जगह इस गर्मी के भीषण माहौल मे राह चलते लोगो को कुछ राहत देने के उद्धेश्य से शरबत का वितरण कर रहे है। उसी कढी मे निर्जला एकादशी के दिन सभी सनातनियो ने गर्मजोशी से छबील का प्रशाद वितरण किया इस कार्यक्रम मे उपस्थित समाजसेवी अशोक वर्मा, शिवम वर्मा, गोविन्द वाधवा, अरविन्द धवन, तनुज ओबराय, प्रशान्त भटट्, कमलप्रीत कौर, अकितं शर्मा तनुज आदि दर्जनो लोग मौजूद थे।

बिजली चोरी में पांच नामजद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बिजली चोरी में पांच लोगों को नामजद कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उप संस्थान सहसपुर के अवर अभियंता त्रिभुवन सिह ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि खुशहालपुर मे दिलशाद, जाटोवाला में जाबिद अली पुत्र सईद, जाटोवाला में नाजिम पुत्र रसीद, हिन्दूवाला में शहिद पत्र वहिद व डाण्डीपुर तिपर मे सुरेश पाल चौधरी पुत्र शम्भू सिुंह के घरों पर छापा मारा तो वहां पर कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड लिया। पुलिस ने पांचों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

होटल का खाता हैक कर निकाले 44 हजार

संवाददाता

देहरादून। होटल का खाता हैक कर 44 हजार रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मसूरी निवासी आसना मसी ने मसूरी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनका मसूरी में होटल है। गत दिवस उनके होटल में एक कॉल आयी तथा कॉल करने वाले ने होटल में कमरा बुक करने के लिए कहा तथा बुकिंग के पैसों के लिए होटल का खाता संख्या मांगा था। खाता संख्या देने के बाद उनको मैसेज आया कि किसी ने उनके होटल के खाते से 44834 रूपये निकाल लिये है। जिसके बाद उनको पता चला कि उनके होटल के खाते को हैक कर यह रूपया निकाला गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। उसके थैले की तलाशी ली तो उसमं एक 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम जसपाल सिंह रावत निवासी आईडीपीएल ऋषिकेश बताया। पुलिस ने उसकी खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सरकार सोती रही, बेजुबान घोड़े- खच्चर दम तोड़ते रहेः मोर्चा

हमारे संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि केदारनाथ धाम दर्शन को उमड़े तीर्थ यात्रियों हेतु परिवहन का साधन बने सैकड़ों बेजुबान घोड़े-खच्चर अत्यधिक काम लिए जाने, अत्याधिक वजन ढोने एवं अन्य कई कारणों के चलते काल का ग्रास बन गए, लेकिन अदूरदर्शी एवं अनुभवहीन सरकार सोती रही।

नेगी ने कहा कि दो दिन पहले उच्च न्यायालय ने किसी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए इन बेजुबान घोड़े-खच्चरों की अकाल मौत, काम पर लगाए गए घोड़े -खच्चरों की संख्या, तैनात चिकित्सकों एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर सरकार से सवाल पूछा तो सरकार बगले झांकने लगी। उक्त मामले में न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किया, उक्त नोटिस जारी होने के बाद सरकार के पास कहने को कुछ भी नहीं बचता, क्योंकि सरकार निर्दयता की सारी हदें पार कर चुकी है। उन्होने कहा कि सूत्र बताते हैं कि अन्य प्रदेश से आकर इस काम लगे लोगों ने इन बेजुबानों पर अत्याधिक कहर बरपा रखा है तथा ये लोग लालच में आकर कई- कई चक्कर इनसे लगवाते हैं। नेगी ने कहा कि जब इन बेजुबान पशुओं को न्याय दिलाने की बात आती है तो सरकार चुप्पी साधे रहती है, लेकिन माफियाओं के हितों को लेकर सरकार हमेशा सजग एवं चौकन्नी करनी रहती है। उन्होने कहा कि मोर्चा सरकार से मांग करता है कि इन बेजुबानों का इस्तेमाल अत्यधिक वृद्ध, निशक्तजन एवं बीमार व्यक्तियों के लिए ही हो, जिससे इन बेजुबानों पर अत्याचार रुक सके अथवा टोकन के माध्यम से एक दिन में सिर्फ एक चक्कर ही लगाने की अनुमति सरकार उनको दे। पत्रकार वार्ता में दिलबाग सिंह व भीम सिंह बिष्ट मौजूद थे।

❑सरकार की अदूरदर्शिता एवं नकारापन लील गया बेजुबानों की जिंदगी

स्कार्पियो की टक्कर से आटों की सवारी घायल

संवाददाता

देहरादून। स्कार्पियों कार की टक्कर से ऑटों में सवार युवती गम्भीर रूप से घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमेश्वर नगर निवासी देवेश डोभाल ने ऋषिकेश कोतवाली मे मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी भतीजी ऑटो से घर की तरफ आ रही थी जब वह खण्ड गांव के पास पहुंची तभी तेज गति से आ रही स्कार्पियों ने ऑटो को टक्कर मार दी जिससे उसकी भतीजी गम्भीर रूप से घायल हो गयी जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

महिला की अश्लील फोटो अपलोड करने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। महिला को लोन दिलाने के नाम पर फोन करना व उसकी अश्लील फोटो एडिट कर डाउनलोड करने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला निवासी व्यक्ति ने साइबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी पत्नी के मोबाइल पर अज्ञात नम्बरों से फोन आये तथा फोनकर्ता ने अपने आपकों ऑनलाईन लौन एप का प्रतिनिधि बताया तथा लोन दिलाने का झांसा देकर उसकी पत्नी के नम्बर पर व्हटसएप कॉल करना व बाद में उसकी पत्नी के फोटो को एडिट कर अश्लील फोटो भेजकर उसको परेशान किया जा रहा है। उक्त लोगों के द्वारा चार अलग-अलग नम्बरों का प्रयोग किया जा रहा है। साइबर थाने के आदेश पर डोईवाला कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ग्राम पंचायत गिरगांव, नशाबंदी की ओर

हमारे संवाददाता

मुनस्यारी। नशाबंदी पर आगे बढ़ रहे ग्राम पंचायत गिरगांव में इस बार तीस नाली भूमि पर श्याम प्रजाति की तुलसी का रोपण किया जाएगा। जड़ी बूटी शोध संस्थान गोपेश्वर के विशेषज्ञों ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बीज बोए जाने का प्रैक्टिकल खेत में कराया।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया के आव्हान पर ग्राम पंचायत गिरगांव पहला गांव बन गया है जो शराब बंदी को पूर्ण रूप से लागू करने में जुटा हुआ है। ग्रामीणों के इस फैसले से अभिभूत होकर अपनी घोषणा के मुताबिक जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने गिरगांव को गोद ले लिया है। गिरगांव की महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ ही नौजवान शराब बंदी के साथ गांव में रोजगार के नवीन अवसरों को पैदा करने में जुट गए है।

जड़ी बूटी शोध संस्थान गोपेश्वर के विशेषज्ञ देवकीनंदन गुरुरानी तथा गणेश राम ने आज गिरगांव में महिलाओं को तुलसी के बीज रोपण की विधि बताई। उन्होंने तुलसी के बीज रोपण कैसे होता है, उस पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। रोपण की विधि भी बताई। एक नली में तुलसी की तीन फसल ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि तुलसी को हम व्यापार करने के उद्देश्य से पैदा करें।

इस मौके पर ग्राम प्रधान हंशा दुबड़िया, युवक मंगल दल के अध्यक्ष देवा दुबड़िया, ग्राम संगठन की अध्यक्ष रेखा, महिला मंगल दल की अध्यक्ष ममता आदि मौजूद रहे।

सावधानी हटी तो बात गई!

अब जबकि दुनिया का ध्यान कोरोना से हट गया है, तो इसमें कोई हैरत की बात नहीं है कि कोरोना वैक्सीन को पेटेंट मुक्त करने की वार्ता के नाकाम होने के कगार पर पहुंच जाने की खबर आ रही है।

जब दुनिया में कोरोना महामारी के कारण कोहराम मचा था, तब कोरोना वैक्सीन को पेटेंट मुक्त कराने का मुद्दा दुनिया के एजेंडे पर सबसे ऊपर था। दबाव यहां तक बना कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी इस मांग का समर्थन कर दिया। हालांकि दवा कंपनियां और यूरोपीय देश तब भी उससे सहमत नहीं थे। वे उस माहौल में भी इनसान की जान पर मुनाफे को तरजीह देने की तोहमत अपने माथे पर लेने को तैयार थे। अब जबकि दुनिया का ध्यान कोरोना से हट गया है, तो इसमें कोई

हैरत की बात नहीं है कि कोरोना वैक्सीन को पेटेंट मुक्त करने की वार्ता के नाकाम होने के कगार पर पहुंच जाने की खबर आ रही है। गौरतलब है कि अगर इन वैक्सीन को पेटेंट मुक्त कर दिया जाए, तो उनका विकासशील देशों में सस्ती दर पर उत्पादन करने का रास्ता खुल जाएगा।

फिलहाल दुनिया में कोरोना महामारी काबू में है। लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी दे रखी है कि अभी आश्वस्त होने का समय नहीं आया है। फिर बात सिर्फ इस महामारी की नहीं है। अगर इस बार एक मिसाल कायम होती, तो भविष्य की महामारियों से रोकथाम का एक मॉडल भी तैयार होता। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट ने खबर दी है कि वैक्सीन को पेटेंट मुक्त करने की वार्ता में कई अड़ेंगे डाल दिए गए हैँ। अब संभव है कि ये वार्ता टूट जाए। बातचीत विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) की देखरेख में चली है। वार्ता मुख्य रूप से चार पक्षों- यूरोपियन यूनियन (ईयू), अमेरिका, भारत, और दक्षिण अफ्रीका के बीच हो रही है। लेकिन इसके आगे बढ़ने की संभावना काफी घट गई है। कुछ दिन पहले डब्लूटीओ की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवीला ने कहा कि अब जरूरत से अधिक उत्पादन हो रहा है। इसलिए हमारे सामने समस्या वितरण की दिक्कतों और वैक्सीन लगवाने को लेकर जारी अनिच्छा की है। इन सबको दूर करने की जरूरत है। इसे वार्ता के उलझ जाने का संकेत समझा गया। जबकि गैर-सरकारी संगठनों के मुताबिक अब दवा उद्योग वैक्सीन उत्पादन में निवेश घटाने की तैयारी में है। उससे फिर वैक्सीन की कमी हो जाएगी। (आरएनएस)

फड़नवीस के लिए परीक्षा का चुनाव

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाई है। शुक्रवार को नाम वापसी के आखिरी दिन उन्होंने भाजपा के तीसरे उम्मीदवार धनंजय महाडिक का नामांकन वापस नहीं कराया। सो, अब महाराष्ट्र में राज्यसभा का चुनाव होगा। दो दशक के बाद पहली बार महाराष्ट्र में राज्यसभा का चुनाव होगा। पिछले दो दशक से ज्यादा समय से राज्य में चुनाव की नौबत नहीं आई थी। ऐसा लग रहा है कि फड़नवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद चार-पांच दिन में ही इस्तीफा देने का दर्द भूले नहीं हैं। दूसरे उनको यह दिखाना है कि वे महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे बड़े खिलाड़ी बन गए हैं। लेकिन उनका मुकाबला उद्धव ठाकरे और शरद पवार की जोड़ी से है। महाराष्ट्र के जानकार नेता मान रहे हैं कि अगर पवार ने साथ दिया तो छठी सीट आराम से शिव सेना जीतेगी।

राज्यसभा की पांच सीटों पर कोई लड़ाई नहीं है। भाजपा के पीयूष गोयल और अनिल बोंडे चुनाव जीत जाएंगे और दूसरी ओर शिव सेना के संजय राउत, एनसीपी के प्रफुल्ल पटेल और कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी का जीतना भी तय है। लेकिन छठी सीट पर शिव सेना के संजय पवार का मुकाबला भाजपा के धनंजय महाडिक से होगा। एक सीट जीतने के लिए 41 वोट की जरूरत है। इस लिहाज से दो सीट जीतने के बाद भाजपा के पास 31 वोट बचते हैं और उसे 10 वोट का इंतजाम करना होगा।। उसे राज ठाकरे की पार्टी का एक वोट मिल जाएगा तब भी नौ वोट चाहिए होंगे। दूसरी ओर महा विकास अघाड़ी सरकार के पास 169 वोट हैं। तीन सीट जीतने के बाद उनके पास 46 वोट बचते हैं। इसके अलावा एमआईएम के दो और सीपीआई का एक वोट है। चूंकि उद्धव सरकार का अभी ढाई साल का कार्यकाल बचा है इसलिए किसी छोटी पार्टी के उनका साथ छोड़ने की संभावना कम है। तभी ऐसा लग रहा है कि भाजपा ने बेवजह जोखिम लिया है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कहीं पपीते का सेवन ना बिगाड़ दे आपकी सेहत, जानें अती के दुष्परिणाम

पपीते में मौजूद पोषक तत्व उसे सेहत के लिए गुणकारी बनाते हैं। पपीते का सेवन पाचन को दुरुस्त करने के साथ ही शरीर को स्वस्थ बनाता हैं। लेकिन कहते हैं ना कि किसी भी चीज की अती खराब ही होती हैं। ऐसा ही कुछ पपीते के साथ भी हैं जिसका अधिक सेवन आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता हैं। जी हां, पपीते का अधिक सेवन आपको कई तरीकों से नुकसान पहुंचा सकता हैं। आज इस कड़ी में हम आपको पपीते के अधिक सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी देने जा रहे हैं। तो आइये जानते हैं इनके बारे में...

हार्ट बीट कर सकता है धीमा

दिल से जुड़ी बीमारियों से ग्रसित लोगों को पपीते के अधिक सेवन से बचना चाहिए। अधिक पपीते के सेवन से आपके दिल की धड़कनों की दर अनिश्चित रूप से कम होती है। इसके साथ ही यह दिल से जुड़ी परेशानियों को बढ़ा सकती हैं। ऐसे में अगर आपको हृदय से जुड़ी कोई परेशानी हैं, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

लो ब्लड शुगर

हाई ब्लड शुगर रोगियों के लिए पपीता का सेवन फायदेमंद हो सकता है। लेकिन लो ब्लड शुगर रोगियों के लिए पपीता का अधिक सेवन नुकसानदेय माना जाता है। वहीं, अगर आप ब्लड शुगर की दवा ले रहे हैं, तो डॉक्टर से पूछ कर ही पपीता का सेवन करें।

स्किन के लिए है हानिकारक

पपीता स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। इसमें पपैन नामक एंजाइम मौजूद होता है, जिसका अधिकतर इस्तेमाल स्किन केयर क्रीम को बनाने के लिए किया जाता है। लेकिन यह एंजाइम सभी टाइप के स्किन के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसे में अगर किसी को इस एंजाइम से एलर्जी है, तो उनके स्किन पर रैशेज और जलन की शिकायत हो सकती है। इसलिए पपीता का सेवन सीमित मात्रा में ही करना आपके स्किन के लिए बेहतर होता है।

बढ़ा सकती है रेस्पिरेटरी एलर्जी

पपीता में मौजूद पपैन नामक एंजाइम एक शक्तिशाली एलर्जीन है। अगर आपको

किसी तरह की श्वास संबंधी समस्या है। उदाहरण के लिए अस्थमा, एलर्जी तो इसका सेवन सावधानी पूर्वक करें। अगर आप काफी ज्यादा पपीता खाते हैं, तो आपकी परेशानी बढ़ सकती है। अधिक पपीता खाने से अस्थमा, घबराहट और सांस लेने में परेशानी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

बढ़ सकती है पेट की समस्या

अति से ज्यादा पपीते का सेवन करने से हमारा गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम प्रभावित होता है। इसके कारण पेट में गैस, जलन जैसी समस्या बढ़ सकती हैं। दरअसल, पपीते में फाइबर की अधिकता होती है। अधिक फाइबर का सेवन पाचन को प्रभावित करता है। जिसके कारण कब्ज, एसिडिटी और दस्त की शिकायतें हो सकती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए नुकसानदेय

इस बात से शायद आप अच्छे से वाकिफ होंगे कि गर्भवती महिलाओं को पपीता का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि पपीता का सेवन करने से गर्भवती के भ्रूण को नुकसान पहुंच सकता है। दरअसल, पपीते में लेटेक्स की अधिकता होती है, जिसके कारण गर्भाशय सिकुड़ने की संभावना होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद पपैन भ्रूण के विकास की झिल्ली को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं को पपीता का सेवन बिल्कुल भी नहीं करना

शब्द सामर्थ्य -058

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

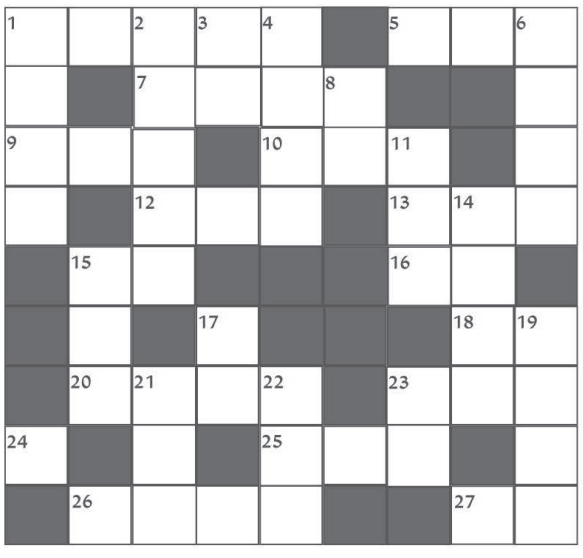

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 57 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

उड़न पटोलास 10 जून को होगी रिलीज

अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित एक आगामी वेब सीरीज उड़न पटोलास, जो चार युवा लड़कियों और उनके वास्तविक मुद्दों की कहानी बताती है, 10 जून को रिलीज होने के लिए तैयार है। अप्लॉज एंटरटेनमेंट के सीसीओ, दीपक सहगल ने आगामी शो के बारे में बात करते हुए कहा, अप्लॉज एंटरटेनमेंट में, हम अपने दर्शकों को आश्चर्यचकित और प्रसन्न करना पसंद करते हैं। विचित्र पात्रों और आनंदमय पंजाबीयत से भरा जीवन का एक टुकड़ा, उड़न पटोलास दर्शकों के लिए मस्ती और मनोरंजन की एक आदर्श खुराक है। वेब सीरीज की कहानी चार लड़कियों और उनके रिश्तों, काम-जीवन की स्थितियों और उनकी महत्वाकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। शो में अपूर्व अरोड़ा, आस्था सिदाना, पोपी जब्बल और सुखमनी सदाना प्रमुख किरदारों में हैं। अमेजॅन मिनीटीवी पर वेब सीरीज के रिलीज होने पर, अप्लॉज एंटरटेनमेंट के साथ अपने पहले सहयोग के बारे में बात करते हुए, अमेजॉन एडवरटाइजिंग के प्रमुख गिरीश प्रभु ने कहा, हम अप्लॉज एंटरटेनमेंट के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं, जो पथ-प्रदर्शक कंटेंट विकसित करने के लिए जाने जाते हैं। उड़न पटोलस सुखमनी सदाना द्वारा लिखी गई है और इसमें प्रमुख भूमिकाओं में राजवीर सिंह, मयंक अरोड़ा, तानिया कालरा, वैभव तलवार, राकेश बेदी और माणिक सिंह भी हैं।

जल्द ही ओटीटी पर हिंदी में रिलीज होगी प्रभास की फिल्म राधे-श्याम

साउथ अभिनेता प्रभास के फैंस अब ओटीटी पर हिंदी में राधे श्याम देख सकते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने शनिवार को इसकी घोषणा की है। राधे श्याम एक बड़े बजट की फिल्मों में से एक, फिल्म इस साल मार्च में नाटकीय रूप से रिलीज हुई थी। यूवी क्रिएशंस और टी-सीरीज द्वारा निर्मित फिल्म राधे श्याम में अभिनेता प्रभास और् अभिनेत्री पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रभास एक हस्तरेखाविद् विक्रमादित्य की भूमिका निभाते हैं, जबकि पूजा हेगड़े फिल्म में उनकी प्रेम रुचि प्रेरणा की भूमिका निभाते हैं। राधे श्याम दो ऐसे लोगों की कहानी है जिनकी अलग-अलग मान्यताएं हैं। विक्र ादित्य (प्रभास) प्यार में नहीं सितारों में विश्वास करते हैं जबकि प्रेरणा (पूजा) भाग्य में विश्वास करती है। जी5 पर डिजिटल रिलीज के साथ फिल्म 190 से अधिक देशों के दर्शकों के लिए हिंदी में उपलब्ध होगी।

शॉर्ट लाइम ड्रेस में मालविका मोहनन लगीं गॉर्जियस, तस्वीरें वायरल

साउथ इंडस्ट्री में कम समय में अपना लोहा मनवाने वाली एक्ट्रेस मालविका मोहनन अपने सिजलिंग और बोल्ड लुक के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोज शेयर करती रहती है, जिसमें उनकी अदाओं से लोग कायल रहते है। एक्ट्रेस की तस्वीरें जमकर वायरल भी होती रहती हैं और फैंस उनकी अदाओं पर कमेंट्स करते नहीं थकते हैं। अब मालविका ने एक बार फिर सोशल मीडिया अपनी फोटोज से जलवा बिखेरा है। फोटोज में एक्ट्रेस ने शॉर्ट लाइम ड्रेस पहनी हुई है और बिखरे बालों के साथ पोज दे रही हैं। मालविका की स्टनिंग पोज दे रही हैं और फैंस का दिल लूट रही हैं। एक्ट्रेस ने फोटोज को शेयर करने के साथ ही लिखा, 'बीती रात की बात है'। मालविका ने साउथ में अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'कोहिनूर' से की थी। इसमें उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया गया। वर्कफ्रंट की बात करें तो मालविका बॉलीवुड फिल्म 'युद्रा' में काम कर रही हैं।

बॉलीवुड में जलवा बिखरने के बाद अब हॉलीवुड में भी कमाल करना चाहते है कार्तिक

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी मूवी भूल भुलैया 2 की सक्सेस को इंजॉय करते हुए दिखाई दे रहे है। उनकी मूवी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करती हुई दिखाई दे रही है। एक तरह जहां साउथ मूवीज निरंतर हिट हो रही थीं तो वहीं बॉलीवुड मूवी बैक-टू-बैक फ्लॉप साबित होती हुई दिखाई दे रही थी। इसी दौरान कार्तिक आर्यन की फिल्म हिट होने पर फैंस ने भी बोलना शुरू कर दिया कि वह बॉलीवुड इंडस्ट्री के आने वाले सुपरस्टार हैं। अब कार्तिक आर्यन ने हॉलीवुड फिल्में करने को लेकर अपने प्लान के बारे में कहा है। कार्तिक आर्यन ने हाल ही में हॉलीवुड में जाने की इच्छा को व्यक्त कर दिया है। वह और कोई हॉलीवुड मूवी नहीं बल्कि मार्वल सुपरहीरो बनना चाह रहे हैं। कार्तिक आर्यन ने बोला है कि हाल ही में मैंने थिएटर में मार्वल मूवी डॉ. स्ट्रेंज देखी जो मुझे काफी पसंद आई। मैं भी मार्वल यूनिवर्स का भाग बनना चाह रहा हूं। वे सच में मैजिक करना जानते हैं। कार्तिक आर्यन से वर्तमान वक्त में सबसे बेहतरीन कलाकार के बारे में प्रश्न भी करना शुरू कर दिया था। जिसके काम ने उन्हें प्रभावित कर दिया हो। इस पर उन्होंने बोला है कि ऐसे तो कई नाम हैं। उन्होंने आलिया भट्ट का उदाहरण दिया और मूवी गंगूबाई काठियावाड़ी में उनके कार्य की तारीफ की। कार्तिक आर्यन ने बोला है, मैं सिर्फ एक बारे में नहीं बोल सकता। हमारी इंडस्ट्री में बहुत अच्छे एक्टर्स हैं और मेरे साथ के कुछ एक्टर्स बेहतरीना काम कर रहे हैं , जैसे गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया भट्ट जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। (आरएनएस)

इब्राहिम अली खान को लॉन्च करेंगे करण जौहर ?

हाल में मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर ने मलयालम फिल्म हृदयम की हिंदी रीमेक बनाने की घोषणा की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर करते हुए दर्शकों को सरप्राइज दिया था। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। अब चर्चाओं का बाजार गर्म है कि करण इस फिल्म से दिग्गज अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को बॉलीवुड में लॉन्च करेंगे। धर्मा प्रोडक्शंस और स्टार स्टूडियोज मिलकर फिल्म का निर्माण करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, करण सैफ और अमृता सिंह के बड़े बेटे इब्राहिम को हृदयम की हिंदी रीमेक में लॉन्च करने वाले हैं। एक करीबी सूत्र ने कहा, इब्राहिम की लॉन्चिंग के लिए यह सबसे अच्छा प्रोजेक्ट है। पिछले कुछ समय से करण इब्राहिम के लिए एक उपयुक्त लॉन्चिंग वाली फिल्म की तलाश में हैं। विवाह और पितृत्व में परिपक्व होने वाले एक तेजतर्रार छात्र के हृदयम का कैरेक्टर इब्राहिम के लिए बिल्कुल सही है।

रिपोर्ट की मानें तो करण इब्राहिम की बहन और अभिनेत्री सारा अली खान को भी लॉन्च करने वाले थे। बताया जाता है कि प्रोजेक्ट में देरी होने के कारण वह सारा को लॉन्च नहीं कर पाए। इसके बाद अभिषेक कपूर ने अपनी फिल्म केदारनाथ के जरिए सारा को बॉलीवुड में लॉन्च किया। यह फिल्म 2018 में दर्शकों के बीच आई थी और सारा की पहली ही फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी।

करण को फिल्म इंडस्ट्री में स्टारकिड्स को लॉन्च करने के लिए जाना जाता है। वह फिल्म बेधड़क के जरिए संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर को बॉलीवुड में लॉन्च करने जा रहे हैं। उन्होंने आलिया भट्ट को स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में डेब्यू करवाया था। वरुण धवन ने भी इसी फिल्म से बॉलीवुड में अपना आगाज किया था। बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर ने करण की धड़क से इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की थी।

मलयालम फिल्म हृदयम की कहानी विनीथ श्रीनिवासन ने लिखी थी और श्रीनिवासन ही इसके निर्देशक थे। फिल्म का निर्माण विशाख सुब्रमण्यम की निर्माण कंपनी मेरीलैंड सिनेमाज ने किया था। फिल्म में सुपरस्टार मोहनलाल के बेटे प्रणव मोहनलाल, कल्याणी प्रियदर्शन और दर्शन राजेंद्रन जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। इसी साल आई इस रोमांस ड्रामा फिल्म ने दुनियाभर में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। फिल्म को ना सिर्फ दर्शकों, बल्कि समीक्षकों से भी सराहना मिली थी। इब्राहिम करण की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से जुड़े हैं। सैफ ने इंटरव्यू में कहा था, इब्राहिम अपने पहले प्रोजेक्ट पर करण के साथ काम कर रहे हैं। वह करण को उनकी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में असिस्ट कर रहे हैं। (आरएनएस)

अभिनेत्री कावेरी प्रियम वेब स्पेस के लिए करना चाहती हैं काम

टेलीविजन सीरियल शक्ति अस्तित्व के एहसास की की अभिनेत्री कावेरी प्रियम, जिन्होंने विभिन्न टीवी शो में कई भूमिकाएं निभा के फैंस के दिलों में एक अलग जगह बनाई है। अब अभिनेत्री डिजिटल स्पेस की ओर जाना चाहती हैं। कावेरी कहती हैं, बेशक मैं वेब स्पेस में काम करना चाहती हूं क्योंकि मुझे आकर्षित करती हैं।

मुझे पता है कि उस माध्यम का कच्चा कारक बहुत सारे अभिनेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की अनुमति देता है। वेब स्पेस में तलाशने के लिए बहुत कुछ है, यहां तक कि फिल्में अब केवल बड़े पर्दे तक ही सीमित नहीं हैं।

वह आगे कहती हैं, मैं हर तरह की भूमिकाएं, सभी शैलियों और सभी रंगों को निभाना चाहती हूं। मैं कुछ खास नहीं करना चाहती हूं, मैं एक अभिनेता के रूप में सब कुछ करने की कोशिश करना चाहती हूं। मैं खुद को किसी विशेष चीज तक सीमित नहीं रखना चाहती।

पृथ्वीराज की निराशाजनक शुरुआत, विक्रम ने मारी बाजी

जून को बॉक्स ऑफिस पर 3 फिल्मों का टकराव देखने को मिला। इनमें एक फिल्म बॉलीवुड की थी और शेष दो दक्षिण भारत की, जिन्हें हिन्दी में भी प्रदर्शित किया गया था। बॉक्स ऑफिस को उम्मीद थी कि मूल रूप से हिन्दी भाषा में बनी अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज जोरदार ओपनिंग लेगी लेकिन ऐसा सम्भव नहीं हुआ। दर्शकों ने अक्षय कुमार की फिल्म को उनकी पिछली असफल फिल्म बच्चन पांडे से भी कम तवज्जो दी। बॉक्स ऑफिस पर लगातार गिरती अभिनेता अक्षय कुमार की साख को उनकी नई फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' ने और नुकसान पहुंचाया है। फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन उनकी इसी साल मार्च महीने में रिलीज हुई फिल्म 'बच्चन पांडे' से भी कम रहा है। फिल्म ने उम्मीद से काफी कम कलेक्शन किया है और फिल्म के बजट को देखते हुए इसकी पहले दिन की ओपनिंग काफी निराशाजनक मानी जा रही है। वहीं, कमल हासन की फिल्म 'विक्रम' के पहले दिन शानदार कलेक्शन करने से तमिल सिनेमा में खुशी की लहर दौड़ गई है। इन दोनों फिल्मों के साथ रिलीज हुई तेलुगू फिल्म 'मेजर' का कलेक्शन रिलीज के पहले दिन सबसे कम रहा।

यश राज फिल्मस के बैनर तले बनी अक्षय कुमार, मानुषी छिल्लर, सोनू सूद, संजय दत्त और मानव विज स्टारर फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' करीब 300 करोड़ रुपये के बजट से बनी है और इसे अकेले भारत में 3550 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है। माना जा रहा था कि फिल्म पहले दिन कम से कम 14 से 15 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेगी लेकिन फिल्म की पहले दिन की कमाई शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक 10.50 करोड़ रुपये पर ही अटक गई है। अक्षय कुमार की इसी साल मार्च महीने में रिलीज हुई फिल्म 'बच्चन पांडे' ने पहले दिन इससे ज्यादा कमाई करते हुए 13.25 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म 'बच्चन पांडे' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' अपनी मूल भाषा हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगू में भी रिलीज हुई है।

3 जून को ही रिलीज हुई निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म 'विक्रम' ने इस दिन रिलीज हुई तीनों फिल्मों में से सबसे ज्यादा कारोबार किया है। कमल हासन, विजय सेतुपति और फहाद फासिल अभिनीत इस फिल्म ने पहले तो एडवांस बुकिंग में ही बाकी दोनों फिल्मों को पीछे छोड़ दिया था और अब शुक्रवार देर रात तक जो आंकड़े इस फिल्म के आए हैं, उससे पता चलता है कि फिल्म ने पहले दिन के कलेक्शन में भी बाजी मार ली है। फिल्म 'विक्रम' ने रिलीज के पहले दिन सारी भाषाओं को मिलाकर करीब 34 करोड़ रुपये की नेट कमाई बॉक्स ऑफिस पर की है। फिल्म की पहले दिन के टिकटों की कुल बिक्री 40 करोड़ रुपये के आसपास रही है। फिल्म अपनी मूल भाषा तमिल के अलावा हिंदी और तेलुगू में भी रिलीज हुई है।

शुक्रवार को हिंदी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' और तमिल फिल्म 'विक्रम' के साथ ही निर्माता महेश बाबू की तेलुगू फिल्म 'मेजर' भी रिलीज हुई है। अदिवि शेष स्टारर इस फिल्म का पूरे देश में जबर्दस्त प्रचार किया गया और इसकी प्री रिलीज स्क्रीनिंग को भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। लेकिन, फिल्म की पहले दिन की ओपनिंग 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है। निर्देशक शशि किरण टिक्का की इस फिल्म ने पहले दिन के शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से सिर्फ सात करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन पहले दिन किया है। ये फिल्म तेलुगू के अलावा हिंदी और मलयालम में भी रिलीज हुई है।

आठ साल बाद की चुनौतियां

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद यह मानने वालों की संख्या बढ़ी है कि 2024 का चुनाव 'डन डील' है। वैसे बौद्धिक लोग भी उम्मीद छोड़ चुके हैं, जो लगातार दो बार के शासन के बाद एंटी इन्कम्बैंसी के हवाले 2024 में बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? क्या सचमुच 2024 का चुनाव 'डन डील' है? इस बारे में कोई भी भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी, जैसा कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बार बार कह रहे हैं कि लोकसभा का चुनाव राज्यों के चुनाव से अलग होगा। वह देश का चुनाव होगा और अलग तरह से लड़ा जाएगा। इसलिए चुनावी भविष्यवाणी या नतीजों की अटकलबाजी में अभी से उलझने की जरूरत नहीं है। वैसे भी लोकसभा चुनाव से पहले 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और उनके नतीजों से भी आम चुनाव का माहौल बनेगा।

उससे पहले मोदी सरकार के आठ साल पूरे करने के मौके पर दो बातों पर विचार जरूरी है। पहली बात तो यह है कि मोदी की ताकत क्या है, जिससे वे लंबे समय तक सत्ता में टिके रहते हैं और अपने विरोधियों को पस्त करते हैं? दूसरी बात यह है कि आठ साल के राज के बाद उनके सामने क्या चुनौतियां हैं? जब हम चुनौतियों को बात करते हैं तो वह सिर्फ राजनीतिक विरोधियों की तरफ से पेश आने वाली चुनौतियां नहीं हैं। कुछ चुनौतियां ऐसी हैं, जो पिछले आठ साल में सरकार द्वारा किए गए या समय पर नहीं किए गए फैसलों की वजह से पैदा हुई हैं। कुछ चुनौतियां ऐसी हैं, जो वैश्विक हालात की वजह से पैदा हुई हैं और कुछ चुनौतियां देश में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सरकार या सत्तारूढ़ दल की मदद से बनाई जा रही परिस्थितियों की वजह से पैदा हुई हैं। अभी भले ऐसा लग रहा हो कि ये जो परिस्थितियां पैदा हुई हैं या की गई हैं वे अनुकूल हैं लेकिन अंततः उनसे नुकसान होना है।

अगर नरेंद्र मोदी के लंबे समय तक सत्ता में टिके रहने के नुस्खे या उनकी ताकत की बात करें तो दो चीजें प्रत्यक्ष रूप से उभर कर सामने आती हैं। पहली चीज है उनकी 'लार्जर दैन लाइफ' छवि। यह छवि उनके गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से पहले से गढ़ी जाने लगी थी। अब इसका चरमोत्कर्ष आ गया है। अब वे हर तरह के आरोप-प्रत्यारोप से मुक्त हो चुके हैं। किसी तरह का आरोप उनके ऊपर नहीं चिपकता है। यह करिश्मा है कि अपनी ही सरकार के गलत फैसलों से होने वाले नकारात्मक प्रभाव से भी वे अछूते रहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि बुरा हो रहा होता है तब भी वे खुद और उनकी पार्टी बताती है कि सब अच्छा हो रहा है। जैसे अभी उन्होंने कहा कि आठ साल में कोई ऐसा काम नहीं किया, जिससे देश को शर्मिंदा होना पड़े। उनके इस तरह के भाषण नैरेटिव निर्माण के सबसे पावरफुल टूल्स हैं। तभी लोग जब तपती धूप में हजारों किलोमीटर पैदल चल कर जा रहे थे या ऑक्सीजन की कमी से मर रहे थे या महंगाई और बेरोजगारी झेल रहे हैं तब भी कह रहे हैं कि मोदी अकेले क्या कर सकते हैं?

उनकी दूसरी ताकत निरंतर बदलाव करने में है। अपनी सख्त और नहीं झुकने वाली छवि के बावजूद वे बेहद लचीले हैं। ऐसे अनेक फैसलों की मिसाल दी जा सकती है, जो उन्होंने बदले हैं। उन्होंने उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदला और लगा कि यह फैसला सही नहीं है तो चार महीने में उस मुख्यमंत्री को बदल दिया। गुजरात से लेकर त्रिपुरा तक मुख्यमंत्रियों का बदला जाना भी इसकी मिसाल है। भूमि अधिग्रहण बिल का विरोध हुआ तो उन्होंने बिल वापस लेने में देरी नहीं की। उसी तरह तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों ने आंदोलन किया तो एक साल बाद ही सही लेकिन उन्होंने तीनों कानून वापस ले लिए। इसी तरह उनके ऊपर धनपतियों की मदद का आरोप लगा तो उन्होंने कोरोना की आपदा को अवसर बना कर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू कर दी। जरूरत के हिसाब से अपने नजरिए में बदलाव करना और फैसले बदलने में उनको हिचक नहीं होती है। यह गुण किसी भी नेता को मजबूत विपक्ष से लड़ने की ताकत देता है। यह अलग बात है कि भारत में विपक्ष मजबूत नहीं है। वह भी मोदी की एक ताकत है लेकिन उस पर अलग से विचार की जरूरत है।

जहां तक चुनौतियों की बात है तो मोदी सरकार उनसे चौतरफा घिरी है। सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक मोर्चे पर है। देश में इस समय अभूतपूर्व आर्थिक संकट है। महंगाई चरम पर है। बेरोजगारी कम नहीं हो रही है। गरीबों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। कोरोना की महामारी और सरकार की ओर से प्रोत्साहन की कमी से लघु व मझोले उद्योग का सेक्टर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। देश के 90 फीसदी कामगार या स्वरोजगार करने वाले जिस अनौपचारिक सेक्टर से जुड़े हैं वह पहले नोटबंदी की वजह से तबाह हुआ और बाद में कोरोना महामारी ने उसकी कमर तोड़ दी। सरकार निर्यात में बढ़ोतरी का दावा कर रही है लेकिन उसी अनुपात में आयात में भी बढ़ोतरी हुई है। बाजार की स्थिति कैसी है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सरकार अपनी मुनाफा कमाने वाली कंपनियां बाजार में लेकर बैठी है और खरीदार नहीं मिल रहे हैं। एलआईसी का आईपीओ लांच होने के बाद से लगातार गिर रहा है। कहने को सरकार अर्थव्यवस्था के फंडामेंटल्स के ठीक होने का दावा कर रही है, लेकिन वह ठीक नहीं है। तभी विकास दर की परवाह नहीं करके रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में बढ़ोतरी करनी पड़ रही है। उधर रूस-यूक्रेन की लड़ाई नहीं थम रही है और अमेरिका में महंगाई ऐसे बढ़ रही है, जिससे दुनिया के फिर से मंदी की चपेट में आने का अंदेशा है। इसका बड़ा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर होगा।

आर्थिक संकट के अलावा मोदी सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती घरेलू हालात की है। सरकार ने भाजपा और आरएसएस के एजेंडे को पूरा करने के लिए कुछ ऐसे फैसले किए, जिनसे घरेलू हालात बिगड़े। इसी तरह चुनावी राजनीति की वजह से धार्मिक और सामाजिक विभाजन बढ़ा है, जिसका असर अंततः हर चीज पर होना है। संवैधानिक संस्थाओं और मीडिया की आजादी को लेकर भी भारत सरकार कठघरे में है। इन सबसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की जो छवि बिगड़ी है उसे ठीक करना एक बड़ी चुनौती है। भारत की छवि कैसे बिगड़ी है, इसे कुछ आंकड़ों से समझ सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ के मानव विकास सूचकांक में भारत एक स्थान नीचे खिसका है तो संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक खुशहाली रैंकिंग में भारत 19 स्थान नीचे गया है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत 46 स्थान गिर कर बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल आदि देशों से भी नीचे चला गया है। अमेरिकी संस्था की ओर से जारी होने वाले कैटो ह्यूमन फ्रीडम इंडेक्स में भारत 44 स्थान नीचे चला गया है तो दावोस के ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में 13 स्थान नीचे गिरा है। इसके अलावा दो वैश्विक संस्थाओं के डेमोक्रेसी इंडेक्स में भी भारत बहुत नीचे चला गया है। एक संस्था ने तो भारत को आंशिक रूप से आजाद देश बताया है। इसके अलावा क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स हो, सबसे अधिक प्रदूषित शहरों की संख्या हो, एयर क्वालिटी इंडेक्स हो या वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स हो सबमें भारत का स्थान नीचे हुआ है। भले देखने में ऐसा लग रहा हो कि इसका कोई राजनीतिक नुकसान नहीं होना है लेकिन लंबे समय तक यह स्थिति रही तो उसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

सू- दोकू क्र. 58

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.57का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

तीन न को न

राजशेखर चौबे

मांझी और नाविक एक हो सकते हैं परंतु मांझी और नाविका नहीं। जब बाड़ ही खेत को खाने लगे और मांझी जो नैय्या डुबोए उसे कौन बचाए। इन मुहावरों में बचाने वाले ही डुबाने लगते हैं। यह मुहावरा तथाकथित फ्रिंज एलिमेंट (हाशिए के लोग) और महिला पत्रकार पर फिट नहीं बैठता है।

ये डुबाने का काम करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। क्या फुटपाथ (हाशिए में पड़े) व्यक्ति को कोई राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाता है ? आजकल मीडिया अपना काम और कर्तव्य भूलकर जी हुजूरी में लगा हुआ है और वे भी अपवाद नहीं हैं ।लोकतंत्र का चौथा स्तंभ सत्ता की चौखट पर लटका हुआ है । मैडम का काफी समय फिल्मों के प्रमोशन और मंत्रियों के साथ फोटो खिंचवाने में बीतता है।

यह तीन न की कहानी है। पहले न ने वही किया जो वह हमेशा करती रही है और जिसने बिग गन से लेकर तमंचा का भी इंटरव्यू लिया है। उन्होंने दूसरे न को उकसाया। इसने भी वही किया जो वह हमेशा से करती आई है यानी घुंघरू घंटे की तरह बजने लगा ।यह घंटा सालों से बज रहा है। इस बार भी दस दिन तक बजता रहा। दंगे भी होने लगे। आजकल पता नहीं क्यों दंगों पर कोई ध्यान नहीं देता। शायद बात ऐसे ही खत्म हो जाती परंतु विदेशी ताकतों का आगाज हो गया। सूप हंसे तो हंसे चलनी क्यों हंसे वाली बात हो गई। पड़ोसी देश की भी चेतावनी आ गई। मजबूरन मुख्यधारा के लोगों को हाशिए पर धकेलना पड़ा। देर आयद दुरुस्त आयद। माफी मांगने की नौबत आ गई है। अब हम कह सकते हैं जो पिछले सत्तर सालों में नहीं हुआ वह अब हो गया।

अचानक इसमें पुरातन विचारों वाले तीसरे नवरत्न न की एंट्री होती है जो बेचारे केवल रिट्वीट करते हैं। अजीबोगरीब इंसाफ है उकसाने वाले और शायद मुख्य किरदार के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं। बोलने और ट्वीट करने वाले का निलंबन और केवल री ट्वीट करने वाले का पूर्ण निष्कासन।

खाड़ी के देशों से हमारे ताल्लुकात हमेशा अच्छे रहे हैं और उन्होंने पड़ोसी देश की तमाम कोशिशों के बाद भी हमारा साथ दिया है। इनमें से कुछ देशों ने हमारे लोकप्रिय जननायक को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान भी प्रदान किया है। क्या अवार्ड वापसी गैंग से संपर्क करने का कोई विचार है ?

हमारे माननीय अपने और हमारे मन की बात करते हैं लेकिन कई मामलों में अपने पूर्ववर्ती को फॉलो करते हैं और ---------- ।फिर भी उन्होंने एक बार तथाकथित गौ-भक्तों को वैक्सीन का एक डोज़ दिया था। इस विषम परिस्थिति में भक्तों को आशंका है कि माननीय उन्हें वैक्सीन का बूस्टर डोज न दे दें।

भूल भुलैया-2 ने दिखाया दम, सुपर हिट की ओर बढ़ी फिल्म

अनीस बज्मी निर्देशित और कार्तिक आर्यन अभिनीत फिल्म भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 15 दिन का सफर तय कर लिया है। इन 15 दिनों में कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ने हिट का तमगा हासिल कर लिया है और अब यह सुपर हिट की ओर बढ़ रही है। भूल भुलैया 2 ने 15वें दिन, यानी शुक्रवार को धीमी रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर जारी रखी लेकिन कमाई करने का सिलसिला जारी है। इसने 15वें दिन बॉक्स ऑफिस पर करीब 2.75 करोड़ रुपये कमाए। इसकी कमाई के बीच अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज रोड़ा बन गई।

कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी, राजपाल यादव जैसे कलाकारों से सजी अनीस बज्मी की फिल्म भूल भुलैया 2 ने बीते शुक्रवार (15वें दिन) 2.75 करोड़ रुपये की कमाई की। अब तक बॉक्स ऑफिस पर भूल भुलैया 2 ने कुल 141.63 करोड़ रुपये की कमाई करते हुए शानदार सफर तय किया है।

बीते शुक्रवार यानी 3 जून 2022 को बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्में रिलीज हुई। अदिवि शेष की पेन इंडिया फिल्म मेजर, कमल हासन की विक्रम और अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज रिलीज हुई। देश में करीब 3750 स्क्रीन्स पर केवल अक्षय कुमार की फिल्म चल रही है। ऐसे में कई कारणों की वजह से भूल भूलैया 2 की कमाई पर असर पड़ा होगा।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि) गुरमीत सिंह से राजभवन में मुलाकात करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

उत्कृष्ट काम करने वालों को गोलकीपर अवार्ड से सम्मानित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

शिक्षा क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन व शीतकालीन अवकाशों पर रोक लगाने की मांग

नगर संवाददाता

मुनस्यारी । जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कोविड काल में स्कूली बच्चों को नियमित स्कूलों में मिलने वाली शिक्षा से दो साल वंचित रहने के कारण ग्रीष्म कालीन तथा शीतकालीन अवकाश पर रोक लगाने के लिए आज सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। कहा कि शिक्षक संगठनों द्वारा पहल नहीं करने पर उन्हें सरकार का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है।

कोविड-19 के कारण दो साल से स्कूल बंद थे। अब जाकर स्कूल खुले है। जिपं सदस्य जगत मर्तोलिया ने एक माह पहले प्रदेश के प्राथमिक, माध्यमिक, जूनियर तथा उच्च शिक्षा से संवधित शिक्षक संगठनों को पत्र भेजकर अपील किया था कि कम से कम दो साल स्कूलों में नर्सरी की कक्षाओं तथा आंगनबाड़ी केंद्रों को छोड़कर सभी शिक्षण संस्थाओं में ग्रीष्म कालीन तथा शीतकालीन अवकाश को नहीं लेने की घोषणा करें।

शिक्षक संगठनों की ओर से कोई सकारात्मक प्रत्युत्तर नहीं आने की दिशा में जिपं सदस्य मर्तोलिया ने आज प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनके पाले में गेंद डाल दी है। इसलिए अब प्रदेश के मुख्यमंत्री को ही इस मामले में फैसला लेना है। मर्तोलिया ने कहा कि शिक्षक संगठनों को अगर सरकारी शिक्षा एवं नौकरियों की चिंता है तो उन्हें इस तरफ दो कदम आगे बढ़कर दो साल तक अवकाश नहीं लेने का ऐतिहासिक निर्णय लेना चाहिए। जिन सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि दो साल से घर पर बैठे सरकारी स्कूलों के बच्चों में मात्र दस प्रतिशत बच्चे ही आनलाइन शिक्षा से जुड़े हुए थे। मर्तोलिया ने कहा कि दो साल बाद स्कूल आएं विद्यार्थियों की एजुकेशन स्थिति बेहद चिंताजनक है। इसलिए शिक्षक संगठनों को लोक हित में जनता की इस मांग का समर्थन करते के लिए आगे आना चाहिए।

गंगा घाटों की सफाई न होने पर सामाजिक संगठनों ने किया प्रदर्शन

नगर संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार नगर निगम प्रशासन की लापरवाही की वजह से लगभग दो सप्ताह बीत जाने के उपरांत भी माँ गंगा के घाटों पर सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित न होने से आक्रोशित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा के नेतृत्व में सफाई व्यवस्था दुरुस्त किये जाने की मांग को लेकर नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय हरित प्राधिकरण एनजीटी से मांग की धर्मनगरी हरिद्वार में आए दिन चारधाम यात्रा व लकी मेले के दृष्टिगत माँ गंगा के घाटों पर सफाई व्यवस्था की मामले को संज्ञान में लेकर स्वयं हस्तक्षेप करें।

इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार नगर निगम प्रशासन की लापरवाही की वजह से समस्त रोड़ी बेलवाला, पंतदीप पार्किंग, बैरागी कैंप इत्यादि कुंभ मेला क्षेत्र कूड़े कचरे से अटे हुए हैं। उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दृष्टिगत और आए दिन वार्षिक मेलों के आयोजन के कारण हजारों की तादाद में तीर्थयात्री व श्रद्धालु माँ गंगा की पूजा अर्चना के साथ स्नान ध्यान के लिए आ रहे हैं धर्मनगरी हरिद्वार में आने वाले तीर्थ यात्री स्वस्थ रहें इसके लिए माँ गंगा के घाटों की सफाई व प्रतिदिन कूड़ा कचरा उठाना नितांत आवश्यक है। संजय चोपड़ा ने केंद्रीय हरित प्राधिकरण एनजीटी से मांग करते हुए कहा कि उत्तराखंड में नमामि गंगे योजना के तहत चलाई जा रही साफ-सफाई की व्यवस्था कर रही कंपनियों की भी जांच कराकर विशेष रुप से सरकारी टीम गठित कर मौके का निरक्षण करें ताकि सफाई व्यवस्था का पुन: विधिवत रूप से संचालन हो सके। इस मौके पर जीपी यूनियन से अरुण अग्रवाल, व्यापारी नेता ओमप्रकाश भाटिया, श्रमिक कल्याण परिषद से जय सिंह बिष्ट, ऑटो रिक्शा चालक यूनियन के चंदन सिंह रावत, आदेश शर्मा, लघु व्यापारी नेता मनोज कुमार, वीरेंद्र सिंह, व्यापारी नेता राजेश खुराना सहित कई लोग मौजूद रहे।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने शिमला बाईपास के पास एक युवक को सदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ।

पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सरवर उर्फ अमन पुत्र अनवर निवासी चक्की टोला निरंजनपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

निर्जला एकादशी पर किया शिव सेना ने कच्ची लस्सी का वितरण

सवांददाता

दे हरादू न। निर्जला एकादशी पर शिव सेना ने छबील लगाकर कच्ची लस्सी का वितरण किया।

आज यहां शिव सेना मुख्यालय गोविंद गढ़ पर निर्जला अकादशी के पावन पर्व पर कच्ची लस्सी का वितरण किया , इस अवसर पर शिव सैनिकों ने शर्बत बाटा। इस दौरान जिला प्रमुख अमित करणवाल, उपप्रमुख मनोज सरीन, विकास मल्होत्रा, वासु परविंदा, राम अवतार गुप्ता, रुपम वोहरा, निधि गुप्ता, संजय अरोरा, आँचल वोहरा, रोहित बेदी, सुमित गम्भीर, जयंत, देव सिंह, रोहित गुप्ता आदि मौजूद थे।

स्कूटी चोरी के मामले में पुलिस ने कबाडी सहित तीन को किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्कूटी चोरी करने के मामले मे दो युवकों को कबाडी के साथ गिरफ्तार कर उनके कब्जे से स्कूटियों के पार्टस बरामद कर लिये। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर में दुपहिया वाहनों की चोरी की घटनाएं बढ रही थी। प्रभारी निरीक्षक कैण्ट के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के सीसीटीवी कैमरों का बारीकी से अवलोकन किया गया। पुलिस के अथक प्रयासों से गत दिवस सांय को दो व्यक्तियों को लीची बाग से गिरफ्तार किया गया। जिन्होंने अपने नाम योगेश साहनी पुत्र मनमोहन साहनी निवासी ईदगाह कुमार मंडी व अनमोल कश्यप पुत्र अर्जुन कश्यप निवासी ईदगाह कुमार मंडी बताया। पुलिस ने उनके कब्जे से स्कूटी की नंबर प्लेट बरामद हुई तथा उक्त व्यक्तियो के पास एक साइकिल जो उक्त लोगों द्वारा चोरी के समय प्रयोग की गई थी भी मिली। बरामद नंबर प्लेट के संबंध में पूछा तो उनके द्वारा बताया कि उन्होने यमुना कॉलोनी व माल रोड से स्कूटी चोरी की थी उक्त स्कूटियो को उन्होने सलमान मैकेनिक/कबाडी को बेच दी थी सलमान की दुकान कचहरी चौराहा के पास है। दुकान पर सलमान पुत्र जमील अंसारी निवासी नई बस्ती चंदर रोड डालनवाला मिला फिर सलमान से पूछताछ की गई तो सलमान द्वारा बताया कि दोनों लड़कों ने 3 स्कूटी चोरी की उसे बेची थी उसने स्कूटियो को कबाड़ में काट दिया था तथा सलमान द्वारा स्कूटी के इंजन व नंबर प्लेट दिखाए। उन्होने पुलिस को बताया कि वह नशे के आदि है तथा अपने नशे की पूर्ति के लिए चोरी करते है। पुलिस ने तीनो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

केदारनाथ तक हैली सेवा के नाम पर 90 हजार रुपये ठगे

देहरादून (सं)। फाटा से केदारनाथ हैली सेवा के नाम पर 90 हजार रूयये ठग फर्जी टिकट भेजने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसारआईटी पार्क निवासी शशांक जैन ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका सम्पर्क लेवनेल सोल्यूशन से मई में आनलाईन फाटा से केदारनाथ हैली टिकट कराने हेतु हुआ जिसके बाद उसके वाटसअप पर उपरोक्त कम्पनी के नम्बर से वाटसअप काल आने लगे व उसको हैली टिकट कन्फर्म कराने का आश्वासन दिया। कम्पनी के मोबाईल नम्बर बात करने वाला व्यक्ति अपना नाम राज बताता था जिसनें स्वंय को कम्पनी का कर्मचारी बताते हुये कहा कि वह उनकी हैली सेवा का टिकट आँनलाईन बुक करा देगें । चिपसर एयर से 6 टिकट फाटा से केदारनाथ के लिये व 3 क्रिसटल एयर से फाटा से केदारनाथ के लिये बुक किये उपरोक्त व्यक्ति ने आनलाईन हैली टिकट बुक कराने हेतु धनराशि की मांग की जिस पर उसने गूगल पे के माध्यम से भिन्न-भिन्न तारीखों में कुल 76000 रूपये उपरोक्त व्यक्ति द्वारा बताये गये बैक खाते में ट्रासफर किये जों 19500 और उसके द्वारा राशि अदा करने के पश्चात उपरोक्त कम्पनी ने उसके नम्बर पर टिकट व्हटसएप कर दी जोकि पता चला कि टिकट फर्जी है।

फेसबुक फ्रेण्ड बनकर की डेढ लाख की ठगी

देहरादून (सं)। फेसबुक फ्रेण्ड बनकार डेढ लाख रूपये की धोखाधडी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल्हाल निवासी चन्दर सिंह नेगी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि जनवरी माह में उसको फेसबुक में मारिया जार्ज नाम से फ्रैण्ड रिक्वेस्ट आई जिसने स्वयं को लंडन का रहना बताया और शीप मे कैप्टन के पद पर तैनात है तथा वह प्रतीदिन वह उससे चेट करने लगी और परिवर तथा उसके विषय में पूछ कर उससे जान पहचान बढ़ाने लगी तथा फेमिली की फोटोज भी शेयर करने लगी। 24 मई को कहा कि उसका शीप लंडन पहुंचने वाला है और इसके बाद वह इंडिया आपकी सिटी घूमने आना चाहती हूँ तथा 29 मई को मारिया जोर्ज ने उसको अपना फलाईट टिकट व इंडियन वीजा का फोटो भेजा। 30 मई को कॉल आया और अपने आप को मुम्बई एयरपोर्ट की कस्टम अधिकारी बताया और कहा कि मारिया जोर्ज नाम से यात्री आई हुई है और कस्टम कलीरेन्स के लिए 49900 रूपये जमा करने पड़ेगें तथा उन्होंने यह भी बताया कि उनका जो कार्ड है वह 72 घन्टे के लिए बंद है जिसके कारण इन्डिन पैसे न होने के कारण यह पैसे आप से डिमान्ड कर रहे हैं तब उसने 30 को ही पैसे ट्रांसफर कर दिए तथा उसके बाद उनका फिर से फोन आया कि इनका डिमाण्ड ड्राफ्ट जिसकी वेल्यू 50,000 पोण्ड है और भारतीय रूपय में 49 लाख के लगभग है जिसका इन्होने इण्डियन टेक्स जमा करना है और वह लगभगा 1,70,000 रूपये और वह भी जमा करना पड़ेगा। उसने एक ल ाख बीस हजार रूपये ट्रांसफर किए। कुछ देर बाद ही उसने उससे30,000 रूपये और मांगे । उसने जब उक्त कस्टम अधिकारी की जांच की तो उसको पता चला कि इस नम्बर पर वहाँ पर कोई कस्टम अधिकारी नहीं है।

अश्लील हरकतें करने से रोकने पर मारपीट कर घायल किया

देहरादून (सं)। घर के सामने अश्लील हरकते करने वाले युगल को रोकने पर युवक ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जाखन निवासी दीपक शर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया किआज लगभग रात 8 बजे उसके घर के सामने काफी देर से एक लडका लडकी आपस में एक दूसरे से लिपट रहे थे। उसके परिवार महिलाएं बाहर ही बैठी थी। यह देख कर वह व रामजारा उनको टोकने नीचे उतरे। उनके नीचे पहुचते ही उस लडके जिसका नाम प्रवीण थापा बताया गया है उनके साथ गाली देने लगा मना करने पर उसने उनको धक्का दिया और मारपीट करने लगा। वीडियो बनाने की कोशिश की तो उसका मोबाईल छीन कर पटक कर तोड दिया। इसी दौरान श्रीमती रामजारा भी आ गयी। उन पर भी हमला करने की कोशिश की। उसके पैर मे व हाथ में चोट लगी है। रामजारा को भी काफी चोट लगी है।

अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। धार्मिक स्थलों की आड़ में सरकारी और जंगलात की जमीनों पर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण पर अब शीघ्र बुलडोजर चलाया जा सकता है। इसके संकेत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दिए जा चुके हैं उनका कहना है कि सरकारी जमीनों पर किया गया किसी भी तरह का अतिक्रमण हटाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार नैनीताल और देहरादून में ऐसे अनेक स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां सरकारी जमीन पर मजार और मंदिर तथा अन्य धार्मिक स्थल बनाए गए हैं और उनकी आड़ में कच्चे पक्के निर्माण कराए जा चुके हैं। इन सभी के खिलाफ अब एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार दून और नैनीताल में सैकड़ों ऐसे स्थान है जहां एक समुदाय विशेष के लोग अपना अड्डा जमाए बैठे हैं तथा उन्होंने इन धार्मिक चिन्हों और स्थलों की आड़ में पूरी की पूरी कालोनियां बसा दी गई है।

मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि हमने अभी हाईकोर्ट के आदेश पर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले, जिससे लोगों को परेशानी होती थी ऐसे 600 से अधिक लाउडस्पीकर विभिन्न धार्मिक स्थलों से उतरवाए गए हैं उन्होंने कहा कि राज्य में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और किसी भी गैर कानूनी अतिक्रमण को हटाए जाने में कोई दिक्कत या परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकारी व वन भूमि की जमीनों पर जहां भी अवैध अतिक्रमण हुआ है उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

❑सरकारी जमीनों को कराया जाएगा मुक्त
❑धार्मिक स्थलों की आड़ में किए गए कब्जे

सीएम धामी का कहना है कि अभी हमने गैर कानूनी रूप से राज्य में रह रहे लोगों का सत्यापन अभियान चलाया था जिसमें बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के बारे में डाटा तैयार किया गया है। राज्य के कई हिस्से ऐसे हैं जहां लोगों के द्वारा गैरकानूनी ढंग से जमीनों पर कब्जे किए गए हैं और अब दुकानें खोलकर चलाई जा रही हैं। उनका कहना है कि उनकी सरकार हिमाचल की तर्ज पर उत्तराखंड में भी एक सख्त भू-कानून लाएगी वही जिस यूनिफॉर्म सिविल कोड की घोषणा उनके द्वारा की गई है उन सभी मुद्दों पर सरकार काम कर रही है तथा उन्होंने जनता से जो वादे किए हैं उन्हें पूरा किया जाएगा। उनका साफ कहना है कि देवभूमि की संस्कृति और सभ्यता को अक्षुण बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। प्रदेश में हालांकि इस पर बहुत पहले काम शुरू हो चुका है बीते दिनों टिहरी बांध के निकट बनी एक मस्जिद को हटाया गया था जो टिहरी बांध के निर्माण के समय मजदूरों ने नमाज पढ़ने के लिए अस्थाई मस्जिद के रूप में विकसित किया था।

घायल पीआरडी जवान की मौत, पुलिसकर्मी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सोनप्रयाग में एक पुलिसकर्मी ने शराब के नशे में धुत होकर पीआरडी जवान पर हैलमेट मार कर सिर फोड़ दिया। घायल पीआरडी जवान को एम्स ऋषिकेश रैफर किया गया जहां देर रात उसकी मौत हो गयी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए डीआईजी गढ़वाल रुद्रप्रयाग पहुचें। जहां आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बता दें कि चारधाम यात्रा के चलते इन दिनों पुलिस व पीआरडी जवान सोनप्रयाग में साथ साथ रहते है, बताया जा रहा है कि बुधवार रात एक पुलिसकर्मी ने मामूली बात को लेकर शराब के नशे में जोरदार हंगामा किया व दो पीआरडी जवानों को पीट दिया, एक पीआरडी जवान के सिर में हैलमेट से जानलेवा हमला भी कर दिया, जिसके कारण सिर पर लगी गहरी चोट से पीआरडी जवान की हालात बिगड़ गयी। जिसे ऋषिकेश एम्स में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गयी।

जानकारी के अनुसार केदारनाथ यात्रा के मुख्य पड़ाव सोनप्रयाग बैरक में तैनात पुलिस कांस्टेबल दीपक चंद सिराई व पीआरडी जवान शूरवीर लाल टम्टा निवासी कांडी,अगस्त मुनि के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस दौरान पुलिस कांस्टेबल ने पीआरडी जवान के सिर पर हेलमेट से हमला बोल दिया, इस हमले में उसके सिर पर गंभीर चोट लग गई, तत्काल पीआरडी जवान को स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए उसको ऋषिकेश एम्स रैफर कर दिया गया।

इस घटना के विरोध में पीआरडी जवानों ने गुरुवार को यात्रा मार्ग पर भीम बली से सोनप्रयाग तक कार्य बहिष्कार किया और पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर आरोपी पुलिस कर्मी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की गयी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने आरोपित कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है। वहीं रुद्रप्रयाग पुलिस को ओर से एक पत्र भी जारी किया गया है जिसमे माहौल को खराब न करने की अपील की है।

वहीं इस मामले में आज सुबह डीआईजी गढ़वाल रूद्रप्रयाग पहुंचे जहां आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामूली विवाद पर ठेकेदार ने की मजदूर की हत्या

हमारे संवाददाता

पौड़ी। कोटद्वार में मामूली विवाद पर ठेकेदार ने एक मजदूर की पाठल मार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी।

मामला कालागढ़ टाइगर रिजर्व के मुंडियापानी क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि यह मजदूर ठेकेदार के साथ वन निगम की ओर से चिन्हित सूखे पेड़ों के कटान के कार्य में लगा हुआ था। मुंडियापानी में वन विभाग की चौकी के पास इन पेड़ों के कटान में लगे मजदूरों का डेरा बनाया हुआ है। इस डेरे में 15 मजदूर रह रहे हैं। बताया जा रहा है कि बीती रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे ठेकेदार भूरा और मजदूर बिट्टू दोनों अपने डेरे के बाहर बैठे हुए थे। दोनों ही बिजनौर बढ़ापुर निवासी हैं। इस बीच किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान ठेकेदार भूरा ने गुस्से में बिट्टू के जांघ पर पाठल मार दिया, जिससे बिट्टू गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी बीच अन्य मजूदर और वन विभाग की चौकी में मौजूद कर्मचारी भी वहां पहुंच गये। जिसके बाद उसे गंभीर हालत में तड़के तीन बजे करीब बेस अस्पताल कोटद्वार लाया गया। जहां उपचार के दौरान मजदूर बिट्टू की मौत हो गई।

पत्नी से पीटा कर्नल, मुकदमा दर्ज

देहरादून। कर्नल को पत्नी ने जमकर पीटा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सब एरिया मुख्यालय में तैनात एक कर्नल ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी ने उसके साथ मारपीट की तथा उससे रूपयों की भी मांग की है। उसने बताया कि उसकी पत्नी ने एक बार नहीं कई बार उसके साथ मारपीट की तथा उससे मानसिक व आर्थिक नुकसान भी किया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना की सूचना रिखणीखाल पुलिस को मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी गयी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।